ख़ूब लड़ी मर्दानी - झांसी वाली रानी

साहस, आत्मसम्मान
और देशप्रेम

रानी लक्ष्मीबाई ने
एक साथ दो तलवारें
लेकर युद्ध किया था

बहुत समय पहले की बात है। एक बहादुर रानी थी — रानी लक्ष्मीबाई। लोग उन्हें प्यार से कहते थे — झांसी की रानी।

बचपन का नाम — मनुबाई

रानी लक्ष्मीबाई का असली नाम था मणिकर्णिका, और प्यार से लोग उन्हें मनु बुलाते थे। वे बचपन से ही घुड़सवारी, तलवारबाज़ी, और युद्ध की ट्रेनिंग लेती थीं — जैसे लड़के करते थे। वो बहुत तेज़ और होशियार थीं।

शादी और झांसी की रानी बनना

जब वो बड़ी हुईं, तो उनकी शादी झांसी के राजा गंगाधर राव से हुई। अब मनु बन गईं — रानी लक्ष्मीबाई।

राजा की मृत्यु और अंग्रेज़ों की चाल

कुछ सालों बाद राजा की मृत्यु हो गई, और रानी ने एक छोटे बच्चे को गोद लिया। उसका नाम था दामोदर। लेकिन अंग्रेज़ों ने कह दिया कि झांसी अब उनकी होगी क्योंकि रानी का बेटा असली नहीं है।

रानी का जवाब — "मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी!"

रानी बहुत नाराज़ हुईं और उन्होंने साफ कहा: "मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी!" उन्होंने सैनिकों को इकट्ठा किया, घोड़े पर चढ़ीं, और तलवार लेकर अंग्रेज़ों से लड़ाई की।

युद्ध और बहादुरी

रानी ने घोड़े पर बैठकर अपने बच्चे को पीठ पर बांध लिया, और वीरता से लड़ाई की। उन्होंने अंग्रेज़ों को खूब टक्कर दी। हर कोई उनकी बहादुरी की तारीफ करने लगा।

अंत लेकिन अमर बन गईं

1858 में युद्ध करते हुए झांसी की रानी लक्ष्मीबाई वीरगति को प्राप्त हुईं, लेकिन उनके साहस की कहानी आज भी सबको प्रेरणा देती है।

"Your small contribution can help shape a brighter future for many students. If you find it valuable, consider donating at UPI ID [redacted] *Every contribution counts. Thank you!"*

- *To Get A Personalized Set Of Worksheet For Child, Please Send 'Hi' On WhatsApp – 7248217332*